



खबर संक्षेप

बारिश ने नारायणपुर सुकमा व बीजापुर के 19 गांवों में बिजली बंद



जगदलपुर। बस्तर संभाग में अर्नब चक्रवात के प्रभाव से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश और बाढ़ जैसे हालात के बीच सुरक्षा एवं बचाव कार्यों को देखते हुए नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर जिलों के 19 गांवों में एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। तीनों जिलों में कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है और नदी-नाले उफान पर हैं। जगदलपुर शहर में भी लगातार बारिश का असर बिजली व्यवस्था पर पड़ा है। सुरक्षा की दृष्टि से डोंगाघाट, गणपति रिसोर्ट रोड, महादेवघाट, पथरागुड़ा और पनारापारा क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद की गई, जिससे लगभग 7 हजार उपभोक्ता प्रभावित हुए। इसके अलावा बोधघाट और अवंतिका कॉलोनी के पास पेड़ गिरने से विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसके कारण इन क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रही। लगातार बारिश के दौरान सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में प्यूज कॉल और शिकायतें प्राप्त हुईं। मौसम की चुनौती के बावजूद विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी फॉल्ट सुधारने तथा ►►शेष पेज 10 पर

उत्सर्जन मानक वाले वाहनों का पंजीयन 30 के बाद बंद



जगदलपुर। उत्सर्जन मानक वाले वाहनों के पंजीयन को लेकर परिवहन विभाग ने डीलरों के लिए समय-सीमा निर्धारित की है। उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देश के अनुसार 30 सितंबर के बाद ऐसे वाहनों का पंजीयन पूर्णतः बंद हो जाएगा। विदित हो कि बीएस मानक का मतलब भारत स्टेज उत्सर्जन मानक है, जिसे सरकार गाड़ी से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तय करती है। इसके मद्देनजर वाहन डीलरों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर वाहनों का पंजीयन कराकर संबंधित दस्तावेज कार्यालय में जमा करना अनिवार्य किया गया है। विभागीय निर्देश के अनुसार डीलरों को वाहनों का पंजीयन कर संबंधित आवेदन एवं दस्तावेज 29 सितंबर को अपराह्न 1.30 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में जमा करना होगा। निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदनों पर वाहनों का पंजीयन नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के बाद आवेदन प्रस्तुत होने के कारण यदि किसी वाहन का पंजीयन नहीं हो पाता है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित वाहन डीलर की होगी। ऐसे में डीलरों से समय रहते पंजीयन ►►शेष पेज 10 पर

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

बस्तर में 23 सितंबर से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई। सड़कों पर कई फीट तक पानी बहने से आवागमन प्रभावित हुआ, वहीं निचली बस्तियों में घरों में पानी घुस गया। इंद्रावती नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है और शुक्रवार को यह



आज बाढ़ छाप रहने के आसार

बस्तर में पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के बाद 26 सितंबर को मौसम में कुछ सुधार के संकेत हैं। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को जिले में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। कुछ स्थानों पर छिटपुट बौछारें पड़ सकती हैं। दिन का अधिकतम तापमान करीब 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिनेश्वर बाढ़लों की आवाजाही के बीच कहीं-कहीं हल्की धूप भी निकल सकती है। बारिश की संभावना सीमित रहने का अनुमान है। वहीं रात के समय भी आंशिक रूप से बाढ़ल छाप रहने के साथ हल्की बौछारें पड़ने की संभावना बनी रहेगी। ►►शेष पेज 10 पर

इंद्रावती नदी पर बने खातीगुड़ा बांध के 3 और मुरान बांध के 2 गेट खोले गए

बस्तर में मूसलाधार बारिश, उफान पर नदियां जिला प्रशासन ने लिया बाढ़ का जायजा

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से समूचे बस्तर संभाग में मौसम पूरी तरह बदल गया है। जिले में बुधवार से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदी-नाले उफान पर आने से जिले के प्रमुख संपर्क मार्गों पर आवागमन ठप हो गया है, वहीं इंद्रावती नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने और सुरक्षा मानकों के तहत ओडीसा में इंद्रावती नदी पर बने खातीगुड़ा बांध के 3 तथा मुरान बांध के 2 गेट खोलकर भारी मात्रा में अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।

इस हालात को मद्देनजर रखते हुए कलेक्टर आकाश छिकारा एवं पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील इलाकों का सघन भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने भ्रमण के दौरान जगदलपुर शहर के गंगामुंडा पारा, महादेव घाट, खड़कघाट, मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल डिमरापाल के



नजदीकी क्षेत्र तथा नगरनार-भेजापदर मार्ग पर नदी बोड़ना सहित कई जलभराव वाले स्थलों का स्थलीय मुआयना किया। इस दौरान अधिकारियों ने संभावित आपदा से निपटने के लिए तैयार किए गए राहत शिविरों का जायजा लेकर वहां प्रभावित परिवारों के ठहरने की व्यवस्था सहित भोजन, पेयजल और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की



उपलब्धता की समीक्षा भी की। इस दौरान आम जनता से सतर्क रहने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा उफनते नदी-नालों और जलमग्न पुल-पुलियों को पार नहीं करने की अपील करते हुए आपात स्थिति में बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष अथवा संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों से संपर्क कर सूचना देने का आग्रह किया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

बस्तर संभाग में लगातार हो रही भारी बारिश और कई क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों को देखते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जिलों में बारिश से प्रभावित क्षेत्रों, नदी-नालों के जलस्तर, आवागमन की स्थिति तथा प्रशासन द्वारा संचालित राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां भी जलभराव अथवा बाढ़ की स्थिति बन रही है, वहां प्रशासनिक अमला तत्काल सक्रिय होकर आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करे। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने जिले के



- जलभराव की स्थिति पर मंत्री केदार कश्यप ने कलेक्टरों से की बात
- प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने कहा

संवेदनशील एवं निचले इलाकों की लगातार निगरानी नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर पर विशेष नजर रखी जाए तथा ऐसे मार्ग, पुल-पुलिया या रपट, जिनके ऊपर से पानी बह रहा हो, वहां किसी भी स्थिति में लोगों को जोखिम लेकर आवागमन न करने दिया जाए। आवश्यकता के अनुसार पुलिस एवं प्रशासन की टीम तैनात कर बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। मंत्री कश्यप ने विशेष रूप से बस्तर के ग्रामीण, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक समय पर सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण ►►शेष पेज 10 पर

अंतराज्जीय सीमा कोन्टा में फंसे सैकड़ों वाहन, 30 घंटों से एनएच जाम

हरिभूमि न्यूज ►► कोन्टा

बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से लगातार बीते तीन दिनों से हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। जिसके चलते कोन्टा बॉर्डर पर ओडिशा आंध्रप्रदेश तेलंगाना की ओर जाने वाले सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं, वहीं सैकड़ों वाहन की कतार कोन्टा में लगी हुई है। राष्ट्रीय राज मार्ग के बगल से गुजरने वाली शबरी नदी तथा क्षेत्रीय नालें उफान में होने के चलते बीते तीस घंटों के आसपास से राजमार्ग बाधित है। कोन्टा के सी डब्ल्यू सी ऑफिस शबरी के उफान के चलते टापू बना है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार फस्ट वॉर्निंग को पार कर शबरी तटों पर बसे बस्तियों की ओर बाढ़ का पानी धीरे धीरे बढ़ रहा है। प्रशासन ने राहत शिविर स्थापित किए



हैं, जिसमें सामुदायिक भवन कोंटा में 550, आसिरगुड़ा में 220 लोगों के लिए भोजन एवं सुरक्षित ठहरने के इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन पूरी मुस्तेदी के साथ हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि बाढ़ प्रभावित हर नागरिक तक समय पर सुरक्षित आश्रय और आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। ►►शेष पेज 10 पर

बोड़ना क्षेत्र में बाढ़ में फंसे 40 लोगों को नावों से सुरक्षित निकाला गया



जगदलपुर। विपरीत परिस्थितियों के बीच प्रशासनिक अमले और आपदा बचाव दलों ने नदी बोड़ना क्षेत्र में बाढ़ के पानी में फंसे लगभग 40 लोगों को नावों के जरिए सुरक्षित बाहर निकालते हुए ग्राम पंचायत भवन में बनाए गए अस्थाई शिविर में पहुंचाया गया। इसी तत्परता के साथ तोकापाल के घाट धनोरा से भी 25 परिवारों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि ग्राम पलवा और लोहंडीगुड़ा के भेजा क्षेत्र के निचले रिहायशी स्थलों में पानी भरने के बाद वहां के प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थलों और पंचायत भवनों में शिफ्ट कर दिया गया है। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस सघन बचाव अभियान की वजह से स्थिति लगातार नियंत्रण में बनी हुई है। मन्थोता तथा बकावंड के बेलगांव जैसे चारों तरफ से पानी से घिरे इलाकों पर भी बचाव दल नावों और विशेष उपकरणों के साथ लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। साथ ही वर्तमान में प्रशासनिक अधिकारी और आपदा बचाव दल लगातार मैदानों अमले से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।



खतरे के निशान से करीब 9.5 मीटर ऊपर बताया गया। 25 सितंबर को दोपहर 1 बजे तक पिछले 24 घंटे में जगदलपुर में 246.3 मिमी, भानपुरी में 215.3 मिमी और बस्तर ब्लॉक में 192.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। प्रशासन द्वारा जलभराव वाले मार्गों और रपटों पर निगरानी एवं बैरिकेडिंग की है। शहर में महारानी अस्पताल के सामने की सड़क, शहीद पार्क रोड, अनुपमा टॉकीज से धरमपुरा जाने वाले मार्ग समेत कई प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं। काले नर्सिंग होम के पास सड़क के ऊपर करीब 2 फीट पानी बहात नजर आया। पुराना पुल भी पूरी तरह जलमग्न हो गया। महादेव घाट ►►शेष पेज 10 पर

भेजापदर गांव बना टापू, रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंचे सांसद



हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

जिले के नगरनार क्षेत्र में इंद्रावती नदी के किनारे बसे भेजापदर गांव में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार बारिश के चलते गांव चारों ओर से पानी से घिर गया और टापू में तब्दील हो गया। स्थिति की जानकारी मिलते ही सांसद महेश कश्यप ने तत्काल संज्ञान लेते हुए रेस्क्यू टीम से संपर्क किया और स्वयं नाव के साथ भेजापदर गांव पहुंचे। सांसद ने वहां

पहुंचकर ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लिया तथा प्रभावित लोगों की सुरक्षा एवं आवश्यक सहायता को लेकर मौके पर उपस्थित कलेक्टर आकाश छिकारा व जिला पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा से जानकारी ली। सांसद ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रेस्क्यू एवं राहत कार्य सुनिश्चित किया जाएगा।

बाढ़ राहत शिविरों में ठहराए गए 350 से अधिक प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

जिला प्रशासन के अधिकारी और आपदा प्रबंधन दल बचाव एवं राहत कार्य में जुटे हुए हैं। जिले भर में व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए कुल 9 राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है, जहां अब तक करीब 350 बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया गया है। बाढ़ का सर्वाधिक असर जगदलपुर शहर में देखने को मिला है, जहां स्थापित 4 शिविरों में 175 लोगों को ठहराया गया है। शहीद भगत सिंह स्कूल में 100 से अधिक प्रभावित मौजूद हैं, जिनके लिए भोजन और ठहरने की व्यवस्था की गई है। वहीं जगदलपुर तहसील के नगरनार क्षेत्र अंतर्गत नदी बोड़ना राहत शिविर में करीब 40 लोग ठहर रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में भी प्रशासन पूरी मुस्तेदी से जुटा हुआ है। बस्तर तहसील के भेजागांव शिविर में 77 लोगों को सुरक्षित रखा गया है, जबकि



बकावंड विकासखंड के बेलगांव केंद्र में 35 और लोहंडीगुड़ा के ग्राम पंचायत भेजा में बने राहत केंद्र में 26 प्रभावितों की देखरेख की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी और बाढ़ आपदा प्रबंधन दल कंट्रोल रूम और फोन नेटवर्क के माध्यम से जमीनी हालात पर पल-पल की निगरानी बनाए हुए है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर शिविरों की संख्या और राहत सामग्री का दायरा तुरंत बढ़ाया जा सके। मैदान क्षेत्रों में संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और राहत दल बाढ़ पीड़ितों को हर जरूरी मदद और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं।

सीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर व बिलासपुर नर्सिंग शिक्षा, चिकित्सा सेवा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में 25 वर्षों से अग्रणी एवं विश्वसनीय संस्था

सीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर विगत 25 वर्षों से नर्सिंग शिक्षा, चिकित्सा सेवा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर समर्पण व गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही एक प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय संस्था है। संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें ज्ञान, कौशल, अनुशासन, सेवा, संवेदना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों से जोड़कर एक कुशल एवं संवेदनशील नर्सिंग प्रोफेशनल के रूप में तैयार करना है। 125 वर्षों के अनुभव के दौरान संस्था ने नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां विद्यार्थियों को विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों की देखभाल, चिकित्सा कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं को करीब से समझने का अवसर मिलता है।

शासन ने कॉलेज की गुणवत्ता को देखते हुए सबसे पहले सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर को सभी शासकीय चिकित्सालयों में क्लिनिक प्रशिक्षण की ट्रेनिंग की अनुमति प्रदान की है जैसे:-

- शासकीय 1400 बिस्तर वाला भीमराव अम्बेडकर अस्पताल (शासकीय मेडिकल कॉलेज)
- शासकीय जिला चिकित्सालय, रायपुर-बिलासपुर
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रायपुर
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रायपुर

प्राइवेट बड़े अस्पतालों में नर्सिंग छात्रों को सिखने का मौका या मरीजों को हाथ लगाने भी नहीं दिया जाता है, ऐसे में छात्र ट्रेनिंग कैसे सिखेंगे वहीं दुसरी ओर शासकीय अस्पतालों में Hand On ट्रेनिंग मरीजों में खुद करते हैं। तभी प्रैक्टिकल नालेज बहुत अच्छी मिलता है, इसलिए सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को शासकीय कॉलेज अस्पतालों व प्राइवेट अस्पतालों में तुरन्त प्लेसमेंट के साथ अच्छी सैलरी में होता है।

रायपुर ► नया पता : अटल चौक, ग्राम पंचायत कार्यालय के पास, निर्मल ज्ञानोदय स्कूल के पीछे, सेजबहार रोड, बोरियाकला
बिलासपुर ► द्रोणा बचपन स्कूल कैम्पस, कोटा रोड, परसदा, सकरी



25 वर्षों का विश्वास और समृद्ध अनुभव

- INC, छत्तीसगढ़ नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल एवं आयुष विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त
- संस्था के 25 सालों में अब तक 2125 विद्यार्थियों में से 960 विद्यार्थी AAIMS शासकीय अस्पतालों में व 1100 से अधिक विद्यार्थी निजी अस्पताल एवं अन्य राज्यों व विदेशों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।
- बेयरमेन डॉ. नवीन बागरेचा के नेतृत्व में हर वर्ष 10 वेटिगों को निःशुल्क नर्सिंग शिक्षा दिया जाता है।

हमारे यहां बस व हॉस्टल सुविधा के साथ 25 वर्ष के प्रवेश पर सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा मेधावी व जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना

₹. 25000/- से 40000/- तक छात्रवृत्ति
PNT व 12वीं अंक के आधार पर (प्रथम 10 विद्यार्थियों के लिए)

99935 82707
77229 91707
77229 95707
www.cgnsr.edu.in

ख़बर संक्षेप

भारी बारिश और बाढ़ से बिजली आपूर्ति चौपट, 41 पोल क्षतिग्रस्त

कांकेर । कांकेर में लगातार हो रही भारी बारिश और कई स्थानों पर बाढ़ की स्थिति का असर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ा है। बारिश और जलभराव के कारण विद्युत वितरण अधोसंरचना को नुकसान पहुंचा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को शीघ्र सामान्य करने के लिए मरम्मत एवं रखरखाव कार्य तेज कर दिया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार लगातार बारिश और बाढ़ के कारण कांकेर संभाग क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विद्युत लाइनों में व्यवधान उत्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 41 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होकर गिर गए हैं, जबकि दो वितरण ट्रांसफार्मर भी खराब हुए हैं। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को जल्द बहाल करने के लिए विभागीय मैदानी अमले द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त विद्युत पोल एवं अन्य विद्युत सामग्री की पहचान की जा रही है। जहां आवश्यक है, वहां क्षतिग्रस्त पोल और उपकरणों को बदलने तथा विद्युत लाइनों की मरम्मत की कार्यवाई प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। विभाग का कहना है कि लगातार बारिश और कई स्थानों पर जलभराव व बाढ़ की स्थिति के कारण मरम्मत कार्य में चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। इसके बावजूद उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास जारी है।

भारी बारिश में भालू की दस्तक से लोगों में दहशत, वन विभाग कर रहा निगरानी

चारामा। नगर चारामा में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच एक भालू के विचरण से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। पिछले दो दिनों में भालू को नगर के अलग-अलग इलाकों में देखे जाने के बाद वन विभाग ने लोगों से सतर्कता बरतने और अनावश्यक रूप से अकेले बाहर नहीं निकलने का आह्वान किया। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह मौनिंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने भालू को आरईएस कॉलोनी के पास देखा। इसके बाद देश शरम भालू को स्वामी आत्मानंद उल्कट्ट विद्यालय परिसर में देखे जाने की सूचना मिली। लगातार दो स्थानों पर भालू की मौजूदगी सामने आने के बाद नगरवासियों में भय का माहौल बढ़ गया। बताया गया कि गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात भालू को सदर बाजार मार्ग पर भी देखा गया। वहीं शुक्रवार सुबह भालू के बिजली पारा क्षेत्र में दिखाई देने की जानकारी सामने आई। लगातार रहियशी इलाकों में भालू के पहुंचने से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। वन विभाग के अनुसार भालू की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग के अनुसार भालू फिलहाल सुरक्षित है और एक स्थान पर मौजूद है। विभाग द्वारा भालू को ट्रैकिंगलाइन कर सुरक्षित रेस्क्यू किए जाने की कार्यवाई की जाएगी। वन विभाग ने नगरवासियों से अपील की है कि भालू दिखाई देने पर उसके करीब जाने, उसे घेरेने, छेड़ने या फोटो-वीडियो बनाने के लिए भीड़ लगाने से बचें।

सशिमं में गूंजा वंदे मातरम, सामूहिक गान में दिखा राष्ट्रभक्ति का उत्साह

हरिभूमि न्यूज ►► केशकाल

राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर केशकाल में सामूहिक वंदे मातरम गान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, आचार्यगण एवं उपस्थितजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। उल्लेखनीय है कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विद्या भारती द्वारा आयोजित देशव्यापी सामूहिक वंदे मातरम गायन का कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर केशकाल में रखा गया। सामूहिक स्वर में वंदे मातरम के गायन से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचंद्र वर्मा ने की। वंदे मातरम्परिचारक रोहित कोडोपी ने सामूहिक गान का नेतृत्व किया। वहीं मंच का प्रभावी एवं व्यवस्थित संचालन नारायण यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात उपस्थितजनों ने राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना के साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया।

बस्तर में पहली बार छात्र मिट्टी, शिल्प और कला से पढ़ेंगे भूगोल

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

बस्तर अंचल में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। जिले के विद्यालयों में भूगोल प्रयोगशालाएं एवं कला-समेकित शिक्षण की स्थापना की जा रही है।

इन प्रयोगशालाओं में विद्यार्थी भूगोल को केवल किताबों के माध्यम से नहीं, बल्कि वस्तुओं को छूकर, देखकर और स्वयं गतिविधियां कर अनुभव के साथ सीखेंगे।इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोण्डागांव के सामाजिक विज्ञान शिक्षक एवं इंडियन बेस्ट टीचर्स अवार्ड 2026 में भूगोल के राष्ट्रीय विजेता विनायक कोहली को

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

उफनते नदी—नालों ने रोकी गांवों की राह, कई इलाकों का जिला मुख्यालय से संपर्क प्रभावित

बारिश का कहर : कोंडागांव में जनजीवन बेहाल

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश के चलते नदी—नाले उफान पर हैं, वहीं कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। सड़कों पर पानी भरने और पुल—पुलियों के ऊपर से तेज बहाव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है।

नालों के आसपास बसे गांवों में देखने को मिल रहा है। लगातार बारिश के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई मार्गों पर पानी भरने से आवाजाही रोकनी पड़ी है। जरूरी काम से घरों से निकलने वाले ग्रामीणों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर नदी—नालों का पानी पुल—पुलियों के ऊपर से बह रहा है। तेज बहाव के कारण इन मार्गों पर आवागमन जोखिम भरा है। ग्रामीणों को पानी के तेज बहाव वाले रास्तों से गुजरने से बचने की सलाह दी जा रही है। लगातार बारिश से जिले के कई ग्रामीण इलाकों में खेतों में पानी भर गया है। इससे फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

किसानों की चिंता बढ़ने लगी है, वहीं जलभराव वाले क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बिगड़ते मौसम और जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। नदी—नालों के जलस्तर और प्रभावित मार्गों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने ग्रामीणों से उफनते नदी—नालों, तेज बहाव वाले पुल—पुलियों और पानी से भरे रास्तों से दूर रहने की अपील की है। लोगों को अनावश्यक रूप से जोखिम उठाकर जलभराव वाले मार्गों से आवागमन नहीं करने की सलाह दी गई है।मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहा तो जिले के कई अन्य गांवों में भी संपर्क व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। लगातार बारिश ने ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनजीवन की रफ्तार थाम दी है और लोगों की रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं।

पेज 09 के शेष ...

इंद्रावती खतरे के निशान से...

की सौंदर्यां पानी में डूब गई और समाचार लिखे जाने तक पानी ऊपर तक भरा हुआ था।बुजराज नगर में कई घरों में पानी घुस गया। आंबेडकर वार्ड की गलियां नहर जैसी नजर आईं। निचली बस्तियों में लोग घरों से पानी निकालते दिखाई दिए। लालबाग हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी जलभराव की स्थिति रही। गोरिया बाहर नाला का पानी बढ़ते हुए गणपति रिसॉर्ट तक पहुंच गया।लगातार बारिश के कारण डिमरापाल और लेतीमारेगा के बीच सड़क पर कई फीट पानी भर गया, जिससे इस मार्ग पर आवागमन बंद हो गया।

बवेली-दंतेवाड़ा की ओर जाने वाली बसों को मारेगा बाईपास से निकाला जा रहा है। जलभराव के कारण कई स्थानों पर वाहन पानी में फंसे और कुछ वाहन डूबे हुए नजर आए।

इंद्रावती का बड़ा जलस्तर, बांधों के गेट खुले : इंद्रावती नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर के बीच ओडिशा के खतीगुड़ा क्षेत्र में बांध के गेट खोले जाने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय जानकारी के अनुसार खटीगुड़ा के तीन ओर मुरान बांध के दो गेट खोले गए हैं। इससे इंद्रावती में जलप्रवाह और बढ़ने की आशंका है। नदी के तटीय और निचले क्षेत्रों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

भूस्खलन से रेल यातायात प्रभावित : भारी बारिश के बीच ट्रैक पर भूस्खलन और पानी भरने के कारण 25 सितंबर को किरंदूल-विशाखापत्तनम मार्ग की पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द की गई हैं। रेलवे ने सुरक्षा कारणों से कुछ अन्य ट्रेनों को कोरापुट तक सीमित कर वहीं से वापस चलाने का निर्णय भी लिया है।

स्कूल बंद, प्रशासन अलर्ट : लगातार बारिश और जलभराव को देखते हुए बस्तर जिले में 25 और 26 सितंबर को शासकीय, निजी और अनुदान प्राप्त स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासन ने नदी, नाले, पुल-पुलिया

चयनित पांचों विद्यालयों को आवश्यक निर्देश दिए

40 मिनट के प्रस्तुतीकरण में श्री कोहली ने बताया कि परियोजना का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। कलेक्टर के अनुमोदन के बाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा 18 सितंबर को आदेश जारी कर चयनित पांचों विद्यालयों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं तथा हेड मेंटर की नियुक्ति भी की गई है। अब दूसरे चरण में शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है। प्रशिक्षण में कला—समेकित एवं अनुभवआत्म शिक्षण की अवधारणा को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया जाएगा। श्री कोहली ने बताया कि शिक्षक अपने व्यक्तिगत कोशल को भी शिक्षण से जोड़ सकते हैं। नृत्य, संगीत, बागवानी, खाना पकाना और चित्रकला जैसे कोशलों को विषय आधारित गतिविधियों में शामिल कर बच्चों को अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर दिया जा सकता है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोण्डागांव में प्राचार्य नंदकिशोर वासनिक के मार्गदर्शन में संचालित गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई।

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

खबर संक्षेप

डिजिटल युग में घटता संवाद मानवीय संबंधों व मानसिक स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय दंतेवाड़ा। डिजिटल क्रांति और स्मार्टफोन के बढ़ते प्रयोग के बीच लोगों के बीच प्रत्यक्ष संवाद में कमी



मानवीय संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार लहरी ने बताया कि अध्ययनों के अनुसार वर्ष 2005 में लोग प्रतिदिन औसतन 16 हजार शब्द बोलते थे, जो वर्ष 2019 तक घटकर करीब 12 हजार शब्द रह गए। संवाद में यह कमी मुख्यतः पड़ोसियों, सहकर्मियों और अपरिचित लोगों से होने वाली सहज बातचीत में देखी गई है। डॉ. लहरी ने कहा कि मानव समाज की नींव परस्पर संवाद और भावनाओं के आदान-प्रदान पर टिकी है। आसपास के लोगों से बातचीत करने से तनाव कम होने के साथ सुरक्षा, अपनत्व और सामाजिक जुड़ाव की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर समय बिताने के बजाय लोगों को मोबाइल स्क्रीन से बाहर निकलकर परिवार, पड़ोस और कार्यस्थल पर अधिक से अधिक संवाद स्थापित करना चाहिए।

ऋण वितरण, खाद-बीज व धान खरीदी पर हुई चर्चा



बस्तर। बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत लेम्पस जमावाड़ा में बुधवार को वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। आमसभा में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान और समिति सदस्य शामिल हुए और समिति के कार्यों पर चर्चा की। कार्यक्रम में प्राधिकृत अधिकारी गडरू राम नाग, शाखा प्रबंधक सुश्री दीपाली जैन और समिति प्रबंधक उत्तम सेठिया, इफको के अधिकारी एल पी सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। आमसभा में समिति की वार्षिक गतिविधियों, आय-व्यय का ब्यौरा, ऋण वितरण, ऋण वसूली और लाभ-हानि की विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी गई। सदस्यों ने सर्वसम्मति से लेखा-जोखा का अनुमोदन किया।

तिमेड़ में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज >>> गोपालपटनम

सेवा संकल्प अभियान के तहत भोपालपटनम मंडल के ग्राम पंचायत तिमेड़ में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और समाजहित में सामूहिक भागीदारी का संदेश दिया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री महेश गागड़ा सहित जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जरूरी है। पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी है। गांव में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाजहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। अभियान के दौरान ग्रामीणों

भारी बारिश भी नहीं रोक पाई दीपिका के कदम

हरिभूमि न्यूज >>> सुकमा

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों का व्यापक दौरा कर जमीनी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिले के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और शिक्षा, बाल स्वास्थ्य,

- दूरस्थ गांवों में पहुंचकर स्कूल, आंगनबाड़ी और आश्रम शालाओं का लिया जायजा

आंगनबाड़ी केंद्रों तथा आश्रम-छात्रावासों की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। बारिश के बीच उनका यह दौरा प्रशासनिक सक्रियता और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश देता नजर आया। शोरी ने डोलेराम, कुन्दनपाल, भण्डारराम, पतिनाइकराम, रोकेल, खूरगुड़ा, पाकेला, नीलावरम, किंदरवाड़ा, चिपुरपाल, सीतनगर, कोकावाड़ा, जांगरपाल, बकुलाघाट, कोंटा, कूकानार एवं उरमापाल सहित कई गांवों और दूरस्थ इलाकों का दौरा किया। कई स्थानों पर खराब मौसम और

हरिभूमि न्यूज >>> सुकमा

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। नदी-नालों और पुल-पुलियाओं में जलस्तर बढ़ने से कई मार्गों पर आवागमन बाधित हो गया है। छिंदगढ़ क्षेत्र के ओलेर में पानी भरने से करीब 70-80 लोगों के फंसे होने की खबर है। क्षेत्र के टापू में तब्दील होने की

- कई मार्ग बंद, कलेक्टर-डीएफओ-एएसपी ने संभाली कमान

सूचना के बाद नगर सेना की टीम राहत पहुंचाने के लिए रवाना की गई है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाते हुए राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है।

जिले के अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

लगातार बारिश के बीच कलेक्टर अमित कुमार, डीएफओ अक्षय भोंसले और एंडिशनल एसपी रोहित शाह ने विभिन्न जलभराव एवं संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट मार्ग के पावारास रोड पर जलभराव, शबरी नदी स्थित झापरा पुल, रामाराम में सड़क किनारे गिरे ट्रांसफार्मर तथा बोदागुड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज बहाव वाले पानी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मैदानी अमले को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव शुरू करने के निर्देश दिए। बाढ़ एवं मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति को

850 से अधिक लोगों के लिए राहत शिविर



देखते हुए जिला प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर राहत शिविर शुरू किए हैं। कोंटा के सामुदायिक भवन में करीब 550, आसिरगुड़ा में लगभग 220 तथा सुकमा के

घर से बाहर नहीं निकलने की अपील

जिला प्रशासन ने नागरिकों से जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों और पुल-पुलियाओं से दूरी बनाए रखने की अपील की है। लोगों को सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने, बिजली के खंभों एवं खुले तारों से दूर रहने तथा मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने आवश्यक दवाएं, पौने का पानी और सूखा राशन साथ रखने तथा मौसम संबंधी सूचनाओं पर नजर रखने को कहा है। आपात स्थिति में नागरिक ग्राम पंचायत, पटवारी या राजस्व दल से संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 07864-284012 जारी किया है। जिला पुलिस



कई प्रमुख मार्गों पर आवागमन बाधित

भारी बारिश के कारण जिले के कई प्रमुख मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई है। सुकमा-मलकानगिरि मार्ग पर झापरा पुल के ऊपर पानी ओवरफ्लो होने से आवागमन बंद है। सुकमा-दोरनापाल मार्ग पर डब्बा-टोटा पुलिया में पानी भरने से रास्ता बाधित है। दोरनापाल-कोंटा मार्ग पर झंजराम पुलिया के ऊपर पानी आने से आवागमन अवरुद्ध है। मोटू पुलिया क्षेत्र में भी जलस्तर अधिक होने के कारण लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पुल-पुलियाओं पर पानी का तेज बहाव होने के कारण वाहन चालकों और ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सुरक्षित आवागमन की है। पुलिस ने स्पष्ट अपील की है कि उफनते पुल-पुलियाओं को पार करने का जोखिम न उठाएं।

युवा शक्ति ही देश और समाज की वास्तविक रीढ़ : श्रीवास्तव

हरिभूमि न्यूज >>> किरन्दुल

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करना था।

दीप प्रज्वलन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एसके श्रीवास्तव द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात एनएसएस के स्वयंसेवकों ने एक सुमधुर एवं



ऊर्जावान देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी, जिससे संपूर्ण प्रांगण राष्ट्रभक्ति की भावना से गुंजायमान हो उठा। इसके पश्चात अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राचार्य एसके श्रीवास्तव ने कहा कि युवा शक्ति ही देश और समाज की वास्तविक रीढ़ होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक गतिविधि नहीं,

बल्कि जीवन जीने की एक उत्कृष्ट शैली है जो हमें समाज की चुनौतियों को समझने और उनका समाधान खोजने के लिए तैयार करती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण कराते हुए विद्यार्थियों को अपने भीतर नेतृत्व क्षमता, संवेदनशीलता और समाज के प्रति

जिम्मेदारी का भाव विकसित करने का आह्वान किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी केपी सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भाव और नैतिक मूल्यों का विकास करती है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ समाज कल्याण के कार्यों से जुड़ना ही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहने के लिए प्रेरित किया। शिक्षक हरि शंकर साहू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को समाज सेवा के प्रति निष्ठावान रहने और जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात एनएसएस के स्वयंसेवक चंद्रभान साहू एवं मान्यता दुवे ने

राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास, इसके उद्देश्यों तथा समाज सुधार में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी केपी सिन्हा एवं एसके मोहंती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समर्पित स्वयंसेवक तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं गरिमामयी उपस्थिति में मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शिक्षिका रेखा सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

लगातार बारिश से घर में घुसा पानी

हरिभूमि न्यूज >>> घाटलोहगा

क्षेत्र में 22 सितंबर से लगातार हो रही घमासान बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण तुलसीराम ठाकुर के घर के अंदर पानी भर गया है। स्थिति यह है कि परिवार को घर के अंदर से नाली बनाकर पानी बाहर निकालना पड़ रहा है।

परिवार के मुताबिक, घर में पानी भरने के कारण रात-रातभर और दिनभर पानी निकालने मशक्कत करनी पड़ रही है। घर का सामान इधर-उधर हो गया है और रहने तथा खाना बनाने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घर की स्थिति को देखते हुए मकान को नुकसान पहुंचने और गिरने का खतरा भी बना हुआ है।



तस्वीरों में घर के अंदर जमा पानी और पानी को बाहर निकालने के लिए बनाई गई नाली स्पष्ट दिखाई दे रही है। लगातार बारिश के कारण परिवार की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रभावित परिवार ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था कराने और मकान की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सुकमा में अब तक सामान्य से कम वर्षा

राज्य के 25 सितंबर तक के वर्षा आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में कुल वर्षा सामान्य के करीब 100.1 प्रतिशत पहुंच चुकी है। उपलब्ध जिला-वार रिपोर्टों में सुकमा में सामान्य से कम संवयी वर्षा बताई गई है, लेकिन सितंबर के अंतिम दिनों में लगातार बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर नदी-नालों और निलवे इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर हुई है। प्रशासन का पूरा फोकस फिलहाल प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने, राहत शिविरों में भोजन-पानी उपलब्ध कराने और बाधित मार्गों पर स्थिति सामान्य करने पर है। लगातार बारिश को देखते हुए जिले में निगरानी और राहत-बचाव अभियान जारी है।

गौसेवा से आगे बढ़ी इंसानियत की सेवा

बाढ़ में फंसे राहगीरों और यात्रियों की मदद के लिए गौ सम्मान आह्वान अभियान समिति ने मानवीय पहल की। फोरेस्ट नाका के पास पी. विजय, अब्दु दीदी एवं उनकी टीम ने कई घंटों तक भोजन तैयार कर जरूरतमंदों को कराया। संकट की घड़ी में समिति की यह पहल सामाजिक जिम्मेदारी और इंसानियत की मिसाल बनी। अभियान से जुड़े सदस्यों ने बताया कि सेवा का दायरा केवल गौसेवा तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद हर व्यक्ति तक पहुंचाना भी है। प्रशासन के राहत कार्यों के बीच समाज की इस पहल से बाढ़ प्रभावित लोगों को काफी राहत मिली।

मूसलाधार बारिश के बीच गणपति विसर्जन



हरिभूमि न्यूज >>> गीदम

क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद गीदम नगर और आसपास के क्षेत्रों में गणपति विसर्जन का उत्साह फीका नहीं पड़ा। तेज बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाओं को नम आंखों से विदाई दी। पिछले दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर भारी बारिश के कारण विसर्जन को लेकर आयोजकों में चिंता बनी हुई थी।

सुबह से ही हो रही झमाझम बारिश से शोभायात्रा में देरी हुई, लेकिन दोपहर बाद बारिश के थोड़ा थमते ही नगर के विभिन्न पंडालों से विसर्जन शोभायात्राएं मुख्य मार्गों पर निकल पड़ीं। नगर पंचायत गीदम क्षेत्र, हारम चौक सहित अन्य स्थानों से डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु विसर्जन स्थल की ओर रवाना हुए। इस दौरान जगह-जगह सामाजिक संगठनों द्वारा भंडारा और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, गीदम में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन भी पूरे विधि-विधान के साथ किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बारिश के बीच ही बप्पा की आरती की और शोभायात्रा निकाली। प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती। नगर पंचायत और पुलिस प्रशासन ने विसर्जन स्थलों की लगातार निगरानी की, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। मूसलाधार बारिश में भीगते हुए भी श्रद्धालुओं के चेहरे पर उत्साह और भक्ति का भाव बना रहा। पूरे नगर में दिनभर रंगणवर्षा बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आर के जयकारे गूंजते रहे।

गणेश मंडपों की साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश



दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज नगर पंचायत बारसूर, के कई वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पंचायत के स्वच्छता दीर्घियों ने विभिन्न वार्डों में पहुंचकर सार्वजनिक स्थलों, गणेश मंडप, सहित गलियों, नालियों और मुख्य मार्गों की साफ-सफाई कर लोगों को अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने का संदेश दिया। स्वच्छता दीर्घियों ने जगह-जगह जमा कूड़ा-कचरा हटाय़ा और नालियों की सफाई की। उन्होंने लोगों में संदेश पहुंचाया कि स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने में नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। सफाई केवल नगर पंचायत की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। लोगों के सहयोग से ही स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

ख़बर संक्षेप

भारी बारिश से जलमग्न हुआ शहर, कांग्रेस ने बढ़ाया मदद का हाथ



जगदलपुर। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। कई क्षेत्रों में लोगों के घरों एवं आसपास पानी भर जाने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। ऐसी विषम परिस्थितियों में प्रभावित लोगों की मदद के लिए कांग्रेस पार्टी ने राहत कार्य शुरू किया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान लोगों को भरोसा दिलाया कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में कांग्रेस उनके साथ खड़ा है। जिन क्षेत्रों में जलभराव के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहां पहुंचकर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मौर्य ने कहा कि लगातार बारिश के कारण शहर के अनेक हिस्सों में जलभराव की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे समय में राजनीति से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी की जिम्मेवारी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचें और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार हसंभव सहयोग करें। इस दौरान अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष रोजनिन दास, गौरी, जुबैदा बेगम, खौरेंद्र यादव मौजूद रहे।

बस्तर दशहरा की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने मन मोहा

जगदलपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चयनित पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर की ओर से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए बस्तर दशहरा आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत बस्तर की पारंपरिक संस्कृति एवं लोक परंपराओं की इस प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। प्रस्तुति के माध्यम से बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और लोकजीवन की झलक देखने को मिली।

प्रदेशभर में 1 अक्टूबर से रासुका लागू करने का आदेश तुगलकी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग द्वारा 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्रदेश के सभी 33

- कांग्रेस नेता कश्यप ने सरकार पर लगाया मनमानी का आरोप

जिलों के कलेक्टरों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत विशेष प्रशासनिक अधिकार सौंपे जाने के फैसले पर तीखा विरोध शुरू हो

online Booking- www.tripuryatra.com

स्लीपरमात्र 9,500/-

सुनहरा अवसर

तकपुर , उत्तलपुर, सहदेवल से होकर

स्पेशल ट्रेन

22 से 28 अक्टूबर 2026 (7 दिन)

द्वारकाधीश धाम यात्रा

श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकामठ, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)

ऑफर राशि **सुनहरा 9,500/-**, 3 एसी 16,500/-, 2 एसी 22,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR, 6-36 Sector-4, Kanak Vihar, KOPRGA, Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road

संपर्क करें:- 9165-411411

बाढ़ पीड़ितों के लिए रोटरी रसोई 2.0 शुरू, पहले दिन 200 भोजन पैकेट वितरित

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए जिला प्रशासन के राहत प्रयासों में सहयोग देते हुए रोटरी क्लब ऑफ जगदलपुर ने रोटरी रसोई 2.0 शुरू की है। पहले दिन चार विद्यालयों में आश्रय लिए बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए 200 भोजन पैकेट लेकर वाहन रवाना किया गया। सुबह के भोजन की व्यवस्था रो. हनीफ बरबटिया एवं उनके परिवार ने की। रैडक्रॉस अध्यक्ष एवं कलेक्टर आकाश छिकारा तथा महापौर संजय पांडे के मार्गदर्शन और सहयोग से भोजन आपूर्ति की व्यवस्था संचालित की जा रही है। पूर्व असिस्टेंट गवर्नर रो. कमल सेठी के नेतृत्व में प्रशासन से समन्वय कर आश्रय स्थलों तक भोजन पहुंचाया जा रहा है। रोटरी क्लब अध्यक्ष रो. डॉ. मनोज थॉमस ने बताया कि

चार विद्यालयों में बनाए गए आश्रय स्थलों तक पहुंचाया भोजन



कोरोना की तर्ज पर फिर सेवा

कोरोना काल में भी रोटरी क्लब ऑफ जगदलपुर ने रोटरी रसोई संचालित कर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाया था। अब उसी प्रतिबद्धता के साथ बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए रोटरी रसोई 2.0 शुरू की गई है।

प्रकृति, संस्कृति और बेहतर कनेक्टिविटी से बदल रही बस्तर की तस्वीर

पर्यटन संभावनाओं का नया अध्याय

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

छत्तीसगढ़ का बस्तर अब अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। कभी नक्सलवाद और हिंसा के संदर्भ में चर्चा में रहने वाला यह क्षेत्र आज अपनी प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, परंपराओं और आतिथ्य के कारण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। बदलते वातावरण के साथ बस्तर में पर्यटन, इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के नए अवसर आकार ले रहे हैं।

बस्तर की सबसे बड़ी विशेषता यहां प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। घिन्नकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कुटुमसर एवं कैलाश गुफाएं, मां दत्तेश्वरी मंदिर, दलपत सागर और बस्तर पैलेस जैसे स्थल पर्यटकों को प्रकृति, रोमांच, अध्यात्म और इतिहास का अनूठा अनुभव देते हैं। यहां आने वाला पर्यटक केवल दर्शनीय स्थल नहीं देखता, बल्कि स्थानीय जीवन, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, लोकनृत्य और संगीत से भी जुड़ता है। यही कारण है कि बस्तर को केवल पर्यटन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव



आधारित पर्यटन के एक विशिष्ट क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन के विस्तार के लिए बेहतर कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को मजबूत करने के प्रयास पर्यटन की संभावनाओं को नई गति दे रहे हैं। 'बस्तर 2.0' ब्लूप्रिंट में 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव दूरस्थ क्षेत्रों तक संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जगदलपुर स्थित मां दत्तेश्वरी एयरपोर्ट बस्तर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में रायपुर और हैदराबाद के लिए हवाई संपर्क उपलब्ध है। वहीं रावघाट-



जगदलपुर रेल परियोजना जैसी योजनाएं भविष्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की संभावनाएं रखती हैं। बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ केवल पर्यटकों को ही नहीं मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार, ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर संपर्क और युवाओं को पर्यटन आधारित रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

होमस्टे से गांवों तक पहुंचेगा पर्यटन का लाभ

बस्तर में ग्रामीण और जनजातीय होमस्टे पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन है। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय

परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण जीवन, जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक खान-पान का अनुभव देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। होमस्टे की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पर्यटन का आर्थिक लाभ सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुंच रहा है। पर्यटकों के ठहरने के साथ भोजन, स्थानीय गाइड, परिवहन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आसपास के अन्य परिवारों के लिए भी आय के अवसर बन रहे हैं। बस्तर में नए कमरे के निर्माण पर प्रति कमरा एक लाख रुपये और पूर्व से निर्मित कमरे के नवीनीकरण पर प्रति कमरा 50 हजार रुपये की सहायता का

बाढ़ की स्थिति को लेकर सांसद ने छह जिलों के कलेक्टरों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

बस्तर लोकसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए सांसद महेश कश्यप ने बस्तर, बीजापुर, दंतवाड़ा, नारायणपुर, सुकमा एवं कोंडागांव जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर बारिश एवं बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। सांसद ने जिले के बाढ़ प्रभावित एवं



■ राहत एवं बचाव के दिए निर्देश

संभावित प्रभावित क्षेत्रों, जलभराव तथा प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने तत्काल राहत शिविर चिह्नंकित करने, जरूरत पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए टीमों का गठन करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासनिक अमले

को अलर्ट रखने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में आमजन को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाई जाए। सांसद ने आमजन से अपील की है कि भारी बारिश को देखते हुए अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थान पर रहें। नदी, नाले एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें। किसी भी प्रकार की परेशानी, आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित राहत बचाव दल से संपर्क करें।

पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में घरों में घुसा बारिश का पानी

जगदलपुर। शहर के धरमपुरा रोड स्थित पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लगातार बारिश के चलते जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। कॉलोनी की सड़कों पर कमर तक पानी भर जाने से रहवासियों को हसी पानी से होकर आने-जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं कई घरों में भी बारिश का पानी घुस गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों के अनुसार, बारिश शुरू होते ही कॉलोनी में जलभराव की समस्या सामने आ जाती है। सड़क और आसपास के हिस्सों में पानी लिकारी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी घरों तक पहुंच रहा है। कॉलोनीवासियों ने जलभराव को रोकने की सूचना महापौर को भी दी है। इसके बावजूद अब तक समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। रहवासियों का कहना है कि स्थानीय पार्षद का भी इस गंभीर समस्या की

पवं है। जब प्रदेश और बस्तर की जनता उल्लास और श्रद्धा के साथ त्योहारों की तैयारी कर रही है, ऐसे समय में सरकार नागरिकों के सिर पर रासुका की तलवार लटका रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या शासन को अपनी ही शांतिप्रिय जनता पर भरोसा नहीं रहा, जो सामान्य कानूनों को दरकिनार कर इतने कठोर कानून का सहारा लेना पड़ रहा है?

घरों में घुसा बारिश का पानी



ओर ध्यान नहीं है। लगातार पानी में रहने के कारण लोगों को आवागमन के साथ-साथ घरों में पानी घुसने से सामान खराब होने और संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है।

रहवासियों में नाराजगी

कॉलोनीवासियों ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान हर बार ऐसी स्थिति निर्मित होती है, लेकिन समस्या का स्थायी निराकरण नहीं किया जा रहा है।

रोटरी रसोई 2.0 के तहत शहरी क्षेत्र के आश्रय स्थलों में रह रहे प्रभावित परिवारों की प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक बाढ़ की स्थिति बनी रहेगी, क्लब अपने राहत प्रयास जारी रखेगा। कोरोना महामारी के दौरान भी रोटरी क्लब ने रोटरी रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाया था। रोटरी क्लब ने स्पष्ट किया कि आश्रय स्थलों में प्रभावित परिवारों को भोजन की आवश्यकता रहने तक भोजन आपूर्ति जारी रखी जाएगी। प्रशासन के साथ समन्वय कर राहत कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। डीजीएन रो. नवीन भावसार एवं परिवार, पूर्व असिस्टेंट गवर्नर रो. कमल सेठी एवं परिवार, रो. विवेक जैन एवं परिवार, रो. सुमन भावसार, रो. डॉ. सरिता थॉमस, रो. डॉ. मनोज थॉमस, रोटरेक्टर आसिफ खान, अनन्या भावसार और किर्शु सहयोग में रहे।

जेडीए जीएमसी ओपीडी का बहिष्कार दूसरे दिन भी रहा जारी



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

जूनियर डॉक्टरों एसोसिएशन (जेडीए) छत्तीसगढ़ के आह्वान पर अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर जेडीए जीएमसी जगदलपुर में चल रहा चरणबद्ध आंदोलन शुक्रवार को

- 28 सितंबर से आपातकालीन सेवाएं भी बंद करने की चेतावनी

भी जारी रहा। आंदोलन के दूसरे चरण के तहत आज ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान इंटरन, यूजी, पीजी एवं पीजी बांडेड डॉक्टरों आंदोलन में शामिल रहे और अपनी लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की। पदाधिकारियों ने बताया कि आंदोलन के दौरान शासन की ओर से इंटरन डॉक्टरों के स्ट्राइक में वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। इंटरन का स्ट्राइक 15900 रुपये से 25000 रुपये प्रतिमाह किए जाने की जानकारी सामने आई है। जेडीए ने इंटरन डॉक्टरों के स्ट्राइक में वृद्धि के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे एक सकारात्मक कदम बताया है। संगठन ने कहा कि लंबे समय से उठाई जा रही मांगों में से

एक पर शासन द्वारा निर्णय लिया गया है, पर संबंधित स्ट्राइक एवं अन्य 17 सूत्रीय मांगों पर अभी अपेक्षित निर्णय नहीं हुआ है। जेडीए ने पूर्व घोषित आंदोलन कार्यक्रम को दोहराते हुए कहा कि यदि 26 सितंबर तक सभी 17 सूत्रीय मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता है, तो 28 सितंबर से आंदोलन के तीसरे चरण में प्रवेश किया जाएगा। इस चरण में संगठन द्वारा आपातकालीन सेवाओं सहित पूर्ण कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया गया है।

28 से पहले सभी लंबित मांगों पूरी करें

पदाधिकारियों ने शासन से अपील की है कि 28 सितंबर से पहले सभी लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर आंदोलन को समाप्त करने की दिशा में पहल की जाए, ताकि आम जनता एवं मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित होने के कारण किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। संगठन ने कहा कि चिकित्सक भी ऐसी स्थिति नहीं चाहते, लेकिन यदि मांगों का समाधान नहीं होता है तो पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आंदोलन को अगले चरण में ले जाना पड़ेगा।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार 3 नग बाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार 600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को अनिवार्य उपहार

विषय वस्तु वही :- ● यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसंबर 2026 की अवधि के लिए है । ● हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं । ● महालक्ष्मी ड्रा में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा । ● इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कुपन (35 सामान्य कुपन एवं 15 वाटर कुपन) प्रकाशित किये जाएंगे । ● योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्म पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कुपनों में से कुल 30 कुपन (20 सामान्य एवं 10 वाटर कुपन) थिफकार होने । ● फोटोकॉपी या कटे-छटे कुपन व फार्मट मान्य नहीं होंगे । ● रास्य सत्कार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे । ● सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवश्यक के नियम व शर्तें मान्य होंगी । ● हरिभूमि निर्वाचक गैंग का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा । ● किसी प्रकार के शिवाय में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा । ● विजय वस्तुएं एवं उपहार वास्तविक उपहार से भिन्ना ही सकते हैं । ● हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते हैं ।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेढ़ी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फ़ोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740